# सूर्य की ऊर्जा से रौशन होंगे घर

**जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक पहल मिशन लाइफ की शुरुआत हो, पंचामृत से दुनिया को समाधान की राह दिखाना या अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की पहल, भारत ने अगुवाई की है। दुनिया की अगुवाई करता भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने, इसके लिए हरित ऊर्जा प्रकृति से जुटाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में एक करोड़ परिवारों की छत पर सोलर रूफटॉप लगाने के उद्देश्य से 22 जनवरी को प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना को दी गई मंजूरी...**

भारत में 2014 में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता महज 20 गीगावाट थी, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2022 तक इसे 100 गीगावाट तक पहुंचाने का जो लक्ष्य रखा उसे समय से पहले हासिल कर विश्व को भी एक नई राह दिखाई। इससे पूर्व 2015 में ही विश्व को एक सूर्य, एक ग्रिड की संकल्पना देने के साथ अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की नींव रखी जिसके 116 सदस्य और हस्ताक्षरकर्ता हो चुके हैं। 2030 तक रेलवे को हरित बनाने का लक्ष्य है तो 2070 तक भारत शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है।

भारत में विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता है। इसे आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को अयोध्या से लौटने के तुरंत बाद अपने निवास सात लोक कल्याण मार्ग पर 1 करोड़ घरों पर रूफटॉप सौर ऊर्जा स्थापित करने के लक्ष्य के साथ 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' शुरू करने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि सूर्यवंशी भगवान श्रीराम के आलोक से विश्व के सभी भक्तगण सदैव ऊर्जा प्राप्त करते हैं। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर मेरा संकल्प और भी दृढ़ हुआ है कि भारत में लोगों के घरों की छत पर उनका स्वयं का सोलर रूफ टॉप सिस्टम हो। पीएम मोदी ने आवासीय क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बड़ी संख्या में रूफटॉप सोलर अपनाने की प्रेरणा के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है।

**अयोध्या से लौटने के बाद मैंने पहला निर्णय यह लिया है कि हमारी सरकार 1 करोड़ घर की छत पर रूफटॉप सोलर प्रणाली लगाने के लक्ष्य के साथ 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' का शुभारंभ करेगी। इससे न केवल गरीब और मध्यम वर्ग के बिजली के बिल में कमी आएगी बल्कि इससे भारत ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनेगा।**

**-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

## सौर ऊर्जा के लिए सरकार के ये भी प्रयास

- केंद्र सरकार ने देश भर में 2030 तक सौर ऊर्जा सहित गैर जीवाश्म ईंधनों से 500 गीगावाट स्थापित विद्युत उत्पादन क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। नवंबर, 2023 तक देश में कुल 72.31 गीगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं स्थापित की जा चुकी हैं। इनमें एक करोड़ 11 लाख से अधिक सौर लाइटें भी शामिल हैं।
- सौर पार्कों और अल्ट्रा मेगा सौर विद्युत परियोजना का विकास योजना के तहत नवंबर, 2023 तक 37,490 मेगावाट क्षमता के साथ 50 सौर पार्कों को स्वीकृति दी गई है। 10,401 मेगावाट क्षमता के पार्क चालू।
- सरकारी उत्पादकों द्वारा 12 हजार मेगावाट की ग्रिड संबंद्ध सौर विद्युत पीवी परियोजना की स्थापना के लिए योजना, ग्रिड संबंद्ध सौर रूफटॉप विद्युत संयंत्रों की स्थापना की योजना।